

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा, समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-97

दिनांक- मंगलवार, 2 मार्च, 2021



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 29.5 एवं 15.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 55 प्रतिशत, हवा की औसत गति 7.3 कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 3.4 मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 7.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 18.5 एवं दोपहर में 28.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

**मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(3-7 मार्च, 2021)**

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 3-7 मार्च, 2020 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान साफ तथा मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 15 से 17 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 9 से 12 कि०मी० प्रति घंटा की रफतार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 65 से 75 प्रतिशत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- मौसम की शुष्क रहने की संभावना को देखते हुए तैयार सरसों की कटनी तथा दौनी एवं आलू की खोदाई कर सुखाने के बाद सुरक्षित स्थानों पर भंडारित करें। ज्वार की बुआई करें। इसकी स्वीट ज्वार या कोहवा प्रभेद लगाएँ। ज्वार के साथ हाईब्रीड मधु या बोरी की फसल जरूर लगावें। मकई की अफ्रीकन टॉल प्रभेद की बुआई करें।
- बसंत ईख रोप के लिए उपयुक्त समय चल रहा है। मार्च के अन्तिम सप्ताह में यदि खेत में नमी की कमी होने पर रोप से पहले हल्की सिंचाई कर रोप करना चाहिए। ईख रोप हेतु दोमट मिट्टी तथा ऊँची जमीन का चुनाव कर गहरी जुताई करनी चाहिए। अनुषंसित प्रभेदों का चुनाव कर बीज मेडो की कवकनाशी (कार्बेन्डाजिम) 1 ग्रा० प्रति लीटर के घोल में 15-20 मिनट उपचारित कर रोपनी करनी चाहिए। प्रभेदों के बीज रोग-ब्याधि से मुक्त होना चाहिए एवं रोग मुक्त खेतों से लेना चाहिए और जहाँ तक संभव हो 8-10 महीने के फसल को ही बीज के रूप में प्रयोग करना चाहिए।
- सूर्यमुखी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। इसकी बुआई 10 मार्च तक संपन्न कर लें। खेत की जुताई में 100 क्विंटल कम्पोस्ट, 30-40 किलोग्राम नेत्रजन, 80-90 किलोग्राम फॉस्फोरस एवं 40 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमुखी की उन्नत संकुल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-1 एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-1, के०बी०एस०एच०-1, के०बी०एस०एच०-44, एम०एस०एच०-1, एम०एस०एच०-8 एवं एम०एस०एच०-17 अनुषंसित है। संकर किस्मों के लिए बीज दर 5 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकुल किस्मों के लिए 8 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को 2 ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करें।
- गरमा मूंग तथा उरद की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम स्फूर, 20 किलोग्राम पोटास तथा 20 किलोग्राम गंधक प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। मूंग के लिए पूसा विषाल, सम्राट, एस०एम०एल०-668, एच०यू०एम०-16 एवं सोना तथा उरद के लिए पंत उरद-19, पंत उरद-31, नवीन एवं उत्तरा किस्में बुआई के लिए अनुषंसित हैं। बीजदर छोटे दानों के प्रभेदों हेतु 20-25 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर तथा बड़े दानों के प्रभेदों हेतु 30-35 किलो ग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। कृषक भाई बुआई पूर्व बीज का प्रबंध प्रमाणित स्रोत से सुनिश्चित कर लें।
- गरमा मौसम की सब्जियों की बुआई करें। 150-200 क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से गोबर खाद की मात्रा पूरे खेत में अच्छी प्रकार विखेरकर मिला दें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई०सी० दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20-30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं उपयुक्त वर्षा न होने की स्थिति में सिंचाई करें।
- बसंतकालीन मक्का की बुआई करें। जुताई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर 15-20 टन गोबर की खाद, 40 किलोग्राम नेत्रजन, 40 किलोग्राम स्फूर एवं 30 किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा 11, शक्तिमान 1 एवं 2 किस्में अनुषंसित है। बीज दर 20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को 2.5 ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें। रवी मक्का की धनबाल व मोचा निकलने से दाना बनने की अवस्था वाली फसल में प्रयाप्त नमी बनाए रखें।
- ठण्ड का मौसम समाप्त होने से गायों एवं बछियों की गर्मी (मद) में आने का समय है। उनके सफल गर्भाधान के लिए पर्याप्त हरा चारा सहित संतुलित आहार एवं ५० ग्राम मिनिरल मिक्सचर प्रतिदिन दें। खुरपका- मुहपका रोग का टीका लगवाएं। जिन पशुओं को जुलाई - अगस्त में टीका लगा है उन्हें भी पुनः टीका लगवाएं। टीका लगवाने से पूर्व अतः एवं बाह्य परजीवी नाशक दवा अवश्व पिलायें।

आज का अधिकतम तापमान: 27.2 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 1.2 डिग्री कम

आज का न्यूनतम तापमान: 15.4 डिग्री सेल्सियस,
सामान्य से 3.1 डिग्री अधिक

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी